10

पढ़ें कैसे

(पठन-कौशल)

बोलना/सुनना	पढ़ना/लिखना	जीवन-कौशल/क्रियाकलाप
• अक्षर एवं शब्द के स्तर पर सही उच्चारण	• सही उच्चारण के अनुसार सही वर्तनी	• क्रमानुसार पढ़ने-लिखने का कौशल • पढ़ने एवं समझने के बीच संबंध स्थापना

सारांश

पढ़ने के कौशल को सुसंबद्ध रूप में विकसित करने के लिए आवश्यक है कि पढ़ने का अभ्यास चरणों में किया जाए। पढ़ने की पहली अवस्था है—अक्षरों की पहचान तथा उनसे बने शब्दों को पढ़ने का अभ्यास। इसका दूसरा चरण है—उन शब्दों के अर्थ समझना। इतना ही आवश्यक नहीं है, अपितु गतिपूर्वक मौनवाचन करते हुए जब हम उसको पढ़ते हैं, तो उसका आनंद ही अलग है। केवल इतना ही पर्याप्त नहीं है, अपितु जो कुछ हम पढ़ रहे हैं उसे समझना भी आवश्यक है। प्रसंगानुसार शब्दों के अर्थ ग्रहण करना ज़रूरी है। कविता, कहानी, लेख, विचार, निबंध आदि को पढ़कर उनका अर्थ समझना पढ़ने का अंतिम चरण है।

मुख्य बिंदु

- पढ़कर समझने का क्रम

अक्षरज्ञान
↓
शब्दज्ञान
↓
अर्थग्रहण
↓
वाक्य-रचना एवं वाक्य का उचित पठन
↓
वाक्य का अर्थ समझना
↓
वाक्यांशों को समझना, पढ़ना एवं लेखन
↓
अनुच्छेद-पठन, अर्थग्रहण एवं लेखन

पठन-कौशल
अक्षर-ज्ञान
शब्दों के अर्थ जानना
गतिपूर्वक पढ़ना
अर्थ समझना/समझकर पढ़ना

- पठित सामग्री की विधाओं को पहचानना
- पठित सामग्री में दी गई घटनाओं, तथ्यों, विचारों आदि का पारस्परिक संबंध स्थापित करना।

आइए समझें

- पठन-कौशल को विकसित करने के लिए आवश्यक है कि हम पढ़ने में रुचि जागृत करें।
- गतिपूर्वक पढ़ने के लिए अधिक से अधिक पठन-सामग्री को पढ़ें।
- गद्य में क्रम की प्राथमिकता है, तो पद्य में लयबद्ध वाचन ज़रूरी है।
- शब्दकोश देखकर कठिन शब्दों के अर्थ जानने चाहिए।

यह जानना ज़रूरी है

- पठन-कौशल को विकसित करने के लिए मनोयोगपूर्वक पढ़ना अत्यंत आवश्यक है।
- अभ्यास द्वारा ही पठन-कौशल में निपुण हुआ जा सकता है।
- पठन-सामग्री में विविधता भी आवश्यक है, इससे प्रत्येक विधा में अलग-अलग तरीके से अर्थ-ग्रहण करने की समझ विकसित होती है।

योग्यता बढ़ाएँ

- क्या पढ़ें और क्या न पढ़ें– इसका निर्णय लेने की क्षमता का विकास कीजिए।
- पढ़ने से पूर्व यह निश्चित होना चाहिए कि आप क्यों पढ़ रहे हैं?
- पढ़ने को अपना शौक बनाइए, आनंदित होंगे।

अधिकतम अंक कैसे पाएँ

- पाठ्य-सामग्री को पढ़ने की कला का विकास करने के लिए पढ़ने में रुचि जागृत करना आवश्यक है।
- नियमित रूप से पढ़ने का अभ्यास कीजिए।
- गद्य पढ़ते समय विचारों के क्रम पर ध्यान दीजिए।
- कविता पढ़ते समय भाव-ग्रहण करने के लिए उसे लय के साथ पढ़िए।
- कठिन शब्दों के अर्थ जानने का प्रयास कीजिए।

अपना मूल्यांकन करें

1. सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(i) पठित सामग्री के अर्थ-ग्रहण के लिए कौन-सी बात परमावश्यक है?

(क) गतिपूर्वक पढ़ना

(ख) बोल-बोलकर पढ़ना

(ग) मौन वाचन

(घ) समझकर पढ़ना

(ii) अपठित कविता का अर्थ समझने के लिए आपको क्या करना चाहिए?

(क) (लयपूर्वक) वाचन

(ख) शब्दकोश की सहायता लेना

(ग) बार-बार पढ़ना

(घ) तथ्यों का चयन

2. जो पाठ्य-सामग्री आपको आनंद देती है, अगर वह आपको पूरी तरह समझ नहीं आती, तो उसे समझने के लिए क्या-क्या प्रयास करेंगे?
3. आपका पठन-कौशल आपकी परीक्षा को किस प्रकार प्रभावित कर सकता है–विचारपूर्वक चार बिंदुओं का उल्लेख कीजिए।